हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 09 सितम्बर, 2022 "हिमालयन दिवस" कार्यक्रम की रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई), शिमला ने 09.09.2022 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में हिमालयन दिवस- 2022 मनाया । सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, परियोजना कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ (80 नंबर) ने कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया । प्रारंभ में डॉ. जगदीश सिंह, प्रमुख विस्तार प्रभाग ने मुख्य वक्ता डॉ. जी.एस. गोराया, भा॰व॰से॰, सेवानिवृत, प्रधान मुख्य अरण्यपाल तथा वन बल प्रमुख, हिमाचल प्रदेश वन विभाग और कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और हिमालय के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों द्वारा हिमालय को बचाने की शपथ ली गई । इस अवसर पर डॉ. जी.एस. गोराया, भा॰व॰से॰ ने हिमालयी क्षेत्र में जल संरक्षण के विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों के बारे में बात की । उन्होंने आगे कहा कि अत्यधिक जैविक और अजैविक कारकों के कारण हिमालयी क्षेत्रों के कई महत्वपूर्ण औषधीय पौधे विलुप्त होने के कगार पर हैं । उन्होंने जैव विविधता पर प्राकृतिक धाराओं में पानी की मात्रा के प्रभाव पर शोध करने पर जोर दिया । डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक-ई ने "सतत आजीविका सुरक्षा के लिए हिमालयी जैव-विविधता" पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी । प्रभारी निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जल संचयन उपायों की आवश्यकता पर बल दिया । डॉ. जगदीश सिंह द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

कार्यक्रम की झलकियां

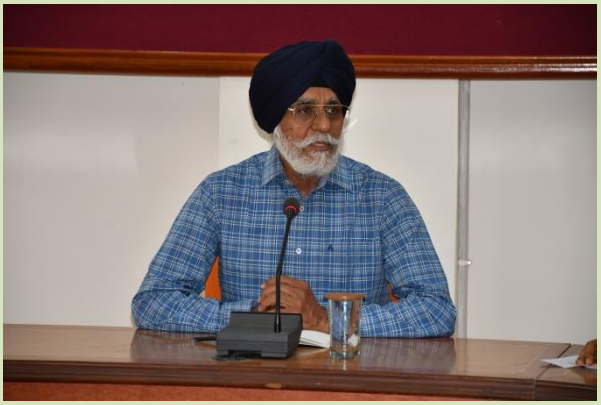

Lenovo

हि.व.अ.सं.
HFRI

WELCOME

हि.व.अ.सं.
HFRI

मीडिया

एचएफआरआई ने मनाया हिमालयन दिवस

स्टाफ रिपोर्टर–शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई), शिमला ने संस्थान के सम्मेलन कक्ष में हिमालयन दिवस-2022 मनाया। सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, परियोजना कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ सहित करीब 80 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डा.जगदीश सिंह, प्रमुख विस्तार प्रभाग ने मुख्य वक्ता डाक्टर जीएस गोराया, भावसे, सेवानिवृत, प्रधान मुख्य अरण्यपाल तथा वन बल प्रमुख, और कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और हिमालय के महत्व पर प्रकाश डाला। सभी प्रतिभागियों द्वारा हिमालय को बचाने की शपथ ली गई। इस अवसर पर डाक्टर जीएस गोराया ने हिमालयी क्षेत्र में जल संरक्षण के विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों के बारे में बात की। डाक्टर वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक-ई ने सतत आजीविका सुरक्षा के लिए हिमालयी जैव-विविधता पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

प्रभारी निदेशक डाक्टर संदीप शर्मा ने इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण संसाधन की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जल संचयन उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। डाक्टर जगदीश सिंह द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

****